

जनसत्ता 15 सितंबर, 2014: मौजूदा वकिस नीति पूंजीवादी व्यवस्था के मजबूत कर रही है। धरती के खोखला करके हो रही प्राकृतिक संसाधनों की लूट के वकिस बता कर जन-साधारण के छला जा रहा है। वकिस के नाम पर पर्यावरण के भारी नुकसान पहुंचाया जा रहा है। जीवन मूल्यों का संकट गहरा रहा है। आम आदमी के वकिस की अंधी दौड़ में फंसा जाने से समस्या वकिसाल रूप धारण कर ली है। मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए सरकार की नीयत और नीति में खोट होने से जनवरीधी कर्मों के बर्बाद मलि रहा है। मध्य प्रदेश की शविराज सरकार ने वकिस मरीचकिक का भ्रमजाल पैला कर पूरे प्रदेश के बहुराष्ट्रीय कंपनियों और बर्बाद घरानों के शकिके में कस दयिा है। प्रदेश के अंतरराष्ट्रीय चारागाह बनाने का दुश्चक्र कफै खतरनाक साबति होगा!

मुख्यमंत्री शविराज सहि चौहान 'नविशकसम्मेलन' आयोजन के माध्यम से वदैशी कंपनियों और बर्बाद घरानों के खुला आमंत्रण देकर उन्हें भारी लाभ पहुंचाने के लिए प्रदेश की अस्मति के साथ कूर खलिवा कर रहे है। प्रदेश का आम आदमी महंगाई, भ्रष्टाचार, गैर-बराबरी, लूट-खसोट और आतंक के राज में जीने के वविश है। उसकी कहीं कोई सुनवाई नहीं है। जबरा मारे और रोने न दे के क्हावत चरतिरथ हो रही है। कुटीर उद्योगों की भारी अनदेखी हो रही है। बाहर से बर्बाद पूंजीपति आकर रीवा के लूटने में लगे हु है।

□□□ □□□, □□□□

फेसबुक पेज के लाइक करने के लिए क्लिक करें- <https://www.facebook.com/Jansatta>

ट्विटर पेज पर फॉलो करने के लिए क्लिक करें- <https://twitter.com/Jansatta>